भारत सरकार
वित्त मंत्रालय
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या-2008
मंगलवार, 10 मार्च 2026 / 19 फाल्गुन , 1947 (शक)

उत्तर पूर्वी क्षेत्र के लिए बजट आवंटन

2008. श्री बीरेन्द्र प्रसाद वैश्यः

क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) वर्ष 2026-27 के बजट में उत्तर पूर्वी क्षेत्र के विकास के लिए कुल कितनी धनराशि आवंटित की गई है;
(ख) क्या इस क्षेत्र में कृषि विकास के लिए कोई रूपरेखा या योजना तैयार की गई है; और
(ग) उत्तर पूर्वी क्षेत्र में बौद्ध सर्किट विकसित करने के लिए कुल कितनी धनराशि आवंटित की गई है?

उत्तर
वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री पंकज चौधरी)

(क) वर्ष 2026-27 के बजट (बजट अनुमान) में उत्तर पूर्वी क्षेत्र के लिए कुल आवंटन ₹108335.42 करोड़ है।
(ख) कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय ने पूर्वोत्तर क्षेत्र सहित पूरे देश में कृषि विकास के लिए लक्षित मिशनों, डिजिटल परिवर्तन, बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और आय सहायता उपायों के माध्यम से एक व्यापक रोडमैप तैयार किया है। प्रमुख पहलों में दलहन में आत्मनिर्भरता मिशन और खाद्य तेल-तिलहन पर राष्ट्रीय मिशन शामिल हैं, जिनका उद्देश्य घरेलू उत्पादन को बढ़ाना और आयात पर निर्भरता को कम करना है; उत्पादन और उत्पादकता बढ़ाने तथा खाद्य सुरक्षा के लिए राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा एवं पोषण मिशन; और एग्रीस्टैक और एग्री-डीएसएस जैसे प्रमुख डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना (डीपीआई) घटकों के निर्माण के माध्यम से एक मजबूत डिजिटल कृषि पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के लिए डिजिटल कृषि मिशन शामिल हैं।
(ग) पर्यटन मंत्रालय अपनी विभिन्न योजनाओं जैसे स्वदेश दर्शन योजना, स्वदेश दर्शन 2.0, चैलेंज बेस्ड डेस्टिनेशन डेवलपमेंट (स्वदेश दर्शन के अंतर्गत एक पहल) और प्रसाद योजना के माध्यम से पूर्वोत्तर क्षेत्र सहित राज्य सरकारों को देश में पर्यटन अवसंरचना और अनुभव के विकास के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करता है। इन योजनाओं के अंतर्गत पूर्वोत्तर क्षेत्र में बौद्ध धर्म से संबंधित पर्यटन स्थलों सहित पर्यटन स्थलों और सर्किटों का विकास शामिल है। केंद्रीय बजट 2026-27 में स्वदेश दर्शन योजना के तहत पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए 227 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। यह राशि उच्च पर्यटन मूल्य, प्रतिस्पर्धात्मकता और स्थिरता के सिद्धांतों

पर आधारित थीम-आधारित पर्यटन सर्किटों के एकीकृत विकास की दिशा में है, जिसमें सभी हितधारकों की आवश्यकताओं और चिंताओं पर ध्यान केंद्रित करते हुए समन्वित प्रयास किए जाएंगे ताकि पर्यटन अनुभव को समृद्ध किया जा सके और रोजगार के अवसरों को बढ़ाया जा सके।

*****